राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

जयपुर, 13 जून। केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग विपक्षी नेताओं का दमन करने तथा बिना किसी आधार के नेशनल हैराल्ड मामले में कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गाँधी एवं कांग्रेस नेता श्री राहुल गाँधी को ईडी का नोटिस दिये जाने के विरूद्ध राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर से अम्बेडकर सर्किल स्थित ईडी कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला तथा धरना देकर केन्द्र सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया।

धरने को सम्बोधित करते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि गत् 8 वर्ष से मोदी जी एवं मोदी सरकार देश में तानाशाहीपूर्ण तरीके से शासन कर रहे हैं तथा देश की राजनीति का दुर्भाग्य है कि फासिस्टवादी ताकत केन्द्र में नीति निर्धारण कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के आम चुनावों में जनता से जो वादे भाजपा ने किये थे, सत्ता में आने के पश्चात् उनका लेखा-जोखा अथवा हिसाब भाजपा सरकार जनता के बीच नहीं रख रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता से किये वादे को पूरा करने की बजाए किसानों के स्वाभिमान पर चोट करने का कार्य किया, विरोधी नेताओं के विरूद्ध षड़यंत्र के तहत् झूठे मुकद्में दर्ज करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने वादे के मुताबिक ना तो युवाओं को रोजगार दिया, ना किसानों की आय दुगुनी की, ना ही देश की सीमाओं को सुरक्षित किया, ना महामारी काल में जनता की रक्षा की, ना ही केन्द्र सरकार ने बच्चों को शिक्षित करने पर किसी प्रकार का ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का कर्त्तव्य था कि गाँव-ढाणी में बैठे आमजन को राहत प्रदान करने, किसानों की आय दुगुनी करने, देश में सामाजिक समरसता बनाने हेतु संवैधानिक संस्थाओं का उपयोग करते जिससे इन संस्थाओं की साख में बढ़ोत्तरी होती। उन्होंने कहा कि केन्द्र में सरकार बनाते ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि अधिग्रहण बिल में संशोधन कर किसानों

2.....

Created by Universal Document Converter

के हितों को विपरीत रूप से प्रभावित करने का प्रयास किया तथा दूसरे कार्यकाल में तीन काले कृषि कानून लागू कर किसानों के साथ छलावा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में नोटबंदी लागू करने के तीन कारण बताये थे, किन्तु नोटबंदी के पश्चात् ना तो भ्रष्टाचार समाप्त हुआ, ना कालाधन देश में वापस आया, ना आतंकवाद समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन के दौरान ना तो किसानों की आय दुगुनी हुई, ना सामाजिक समरसता कायम रह सकी, ना ही महिलाओं एवं युवाओं के उत्थान हेतु कोई योजना केन्द्र सरकार ने बनाई, किन्तु इन मुद्दों पर भाजपा जवाब नहीं देती है।

श्री डोटासरा ने कहा कि आज देश का वातावरण खराब किया जा रहा है, जनता भयभीत है, केन्द्र सरकार द्वारा चुन-चुन कर विपक्षी नेताओं के विरूद्ध साजिश के तहत् झूठे मुकद्में दर्ज किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जनता की निजता के अधिकार का हनन् किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पति-पत्नी आपस में बात करें तो पैगासस सॉफ्टवेयर के दुरूपयोग से उनकी बातें केन्द्र सरकार सुन रही है। उन्होंने कहा कि नेता अपने कार्यकर्ता से क्या बात करते हैं, केन्द्रीय मंत्री किसके सम्पर्क में है, मुख्यमंत्री लोगों से क्या कहते हैं, ये सभी जानकारी पैगासस सॉफ्टवेयर के माध्यम से जासूसी कर केन्द्र सरकार तक पहुँच रही है जो देशवासियों की निजता का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा किये जा रहे असंवैधानिक कार्यों के कारण देश को बड़ी हानि उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है, वहाँ पर सब ठीक चलता है किन्तु जिन राज्यों में भाजपा के अलावा अन्य किसी दल की सरकार है, वहाँ पर सरकार गिराने का षड़यंत्र किया जाता है तथा यदि राजस्थान की तरह सरकार गिराने के षड़यंत्र में भाजपा सफल ना हो सके तो साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ कर सामाजिक समरसता को बिगाड़ने का कार्य भाजपा करती है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में चुनाव नजदीक आते हैं वहाँ पर संवैधानिक संस्थाओं ईडी, सीबीआई एवं इनकम टैक्स के नोटिस तथा छापे पड़ने चालू हो जाते हैं तथा संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर विपक्षी नेताओं के दमन का प्रयास भाजपा की केन्द्र सरकार करती है। उन्होंने कहा कि झूठे केस में कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गाँधी एवं कांग्रेस नेता श्री राहुल गाँधी को ईडी का नोटिस देकर केन्द्र की भाजपा सरकार ने हद पार की

2.....

Created by Universal Document Converter

है तथा केन्द्र सरकार का यह रवैया तानाशाही की पराकाष्ठा है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि यदि इस वक्त केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज नहीं उठाई तो आने वाली पीढ़ियां कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार जिस प्रकार से तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाये हुए है, कांग्रेस के समस्त कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत से फासीवादी सरकार का सामना करना होगा अन्यथा आने वाले समय में चुनाव बंद हो गये यह भी सुनने और पढ़ने को मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का सामना करने की ताकत किसी क्षेत्रीय दल में नहीं है केवल कांग्रेस पार्टी ही मोदी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरूद्ध संघर्ष कर सकती है क्योंकि कांग्रेस कार्यकर्ता देश के प्रत्येक गाँव, ढाणी और शहरों में मौजूद है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की निरकुंशता के कारण अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दफ्तर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इकठ्ठा नहीं होने दिया जा रहा है तथा दिल्ली में धरना एवं प्रदर्शन करने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि धरना-प्रदर्शन लोकतंत्र के आभूषण होते हैं, किन्तु भाजपा की केन्द्र सरकार लोकतंत्र के इन आभूषणों को बेड़िया बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, आर्थिक मंदी, महामारी प्रकोप आदि मुद्दों पर श्री राहुल गाँधी ने लगातार केन्द्र सरकार को चेताया, किन्तु सत्ता में बैठे लोग श्री राहुल गाँधी द्वारा कही गई बातों की अनदेखी करते रहे जिस कारण देश को अनेक संकटों का सामना करना पड़ा।

श्री डोटासरा ने कहा कि नेशनल हैराल्ड अखबार आजादी के आन्दोलन में अंग्रेजों के खिलाफ लोगों की आवाज उठाने का कार्य करता था तथा इस अखबार का आजादी के आन्दोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि घाटे में जा रहे अखबार को कांग्रेस पार्टी ने आजादी के आन्दोलन की धरोहर मानकर 90 करोड़ रूपये का ऋण दिया, ऋण ना चुका पाने पर नेशनल हैराल्ड द्वारा कानूनी प्रावधानों के अन्तर्गत यंग इण्डिया जो कि नॉन प्रोफिट ऑर्गेनाईजेशन है को अपने शेयर प्रदान करती है, इस सम्पूर्ण कार्यवाही को भारत का कानून एवं संविधान इजाजत प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सुब्रह्मणयम स्वामी जिन्होंने इस मामले का मुकद्मा दर्ज करवाया था, स्वयं मानते हैं कि इस प्रक्रिया में किसी कानून का

2.....

Created by Universal Document Converter

उल्लंघन नहीं हुआ है तथा स्वीकार करते हैं कि उन्होंने यह सब कार्यवाही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को खुश करने के लिये की थी। उन्होंने कहा कि प्रकरण कोर्ट में विचारधीन है, ऐसी स्थिति में ईडी का नोटिस देकर केन्द्र की भाजपा सरकार ने निरंकुश एवं तानाशाह होने का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भूल जाते हैं कि लोगों ने अपने हित एवं विकास के लिये सरकार बनाने हेतु मतदान किया था तथा सभी जनप्रतिनिधि देश में ट्रस्टी के नाते नियमानुसार लोककल्याणकारी कार्य करने हेतु बाध्य हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गाँधी एवं कांग्रेस नेता श्री राहुल गाँधी को नोटिस देकर केन्द्र सरकार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के स्वाभिमान को ललकारा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के किसी भी अत्याचार से कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं डरेंगे तथा चाहे लाठी खानी पड़े अथवा जेल जाना पड़े कांग्रेस कार्यकर्ता श्री राहुल गाँधी के साथ मजबूती के साथ इंसाफ की लड़ाई लड़ने हेतु खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि यदि झूठे मुकद्में में श्री राहुल गाँधी को गिरफ्तार करने की कुचेष्टा केन्द्र सरकार ने की तो कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तारियां देकर देशभर की जेलें भर देंगे।

धरने को मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला, डॉ. चन्द्रभान, श्री गोविन्द राम मेघवाल, श्रीमती शकुंतला रावत, श्रीमती ममता भूपेश श्री रमेशचन्द मीणा, श्री परसादीलाल मीणा, श्री प्रतापसिंह खाचरियावास, राज्यमंत्री श्री राजेन्द्र सिंह गुढा, विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा, श्री मुकेश भाकर, श्री रामनिवास गावड़िया, श्री इन्द्राज गुर्जर, श्री जगदीश जांगिड़, श्री संदीप यादव, श्री गिरिराज सिंह मलिंगा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री नसीम अख्तर इंसाफ, सामाज कल्याण बोर्ड की चेयरमेन डॉ. अर्चना शर्मा, आरटीडीसी के चेयरमेन श्री धर्मेन्द्रसिंह राठौड़, कैशकला बोर्ड के चेयरमेन श्री महेन्द्र गहलोत, एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष श्री अभिषेक चौधरी, श्री रिद्धकरण चौधरी, श्री दिनेश सूण्डा सहित अनेक नेताओं ने सम्बोधित किया।

(स्वर्णिम चतुर्वेदी)
प्रवक्ता
मो. 9414074197

Created by Universal Document Converter